



Literacy for a Billion

Movie: C. I. D.

Year: 1956

कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना
जीने दो ज़ालिम
बनाओ ना दीवाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना

कोई ना जाने
इरादे है किधर के
कोई ना जाने
इरादे है किधर के
मार न देना तीर नज़र का
किसी के जिगर में
मार न देना तीर नज़र का
किसी के जिगर में
नाजूक ये दिल है
बचाना ओ बचाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना

तौबा जी तौबा
निगाहों का मचलना
तौबा जी तौबा

Song: Kahin Pe Nigahein

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

निगाहों का मचलना
देखभाल के आए दिलवालो
पैहलू बदलना
काफिर अदा की
अदा है मस्ताना

कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना

जखमें है तेरे
जाए तो कहाँ जाए
जखमें है तेरे
जाए तो कहाँ जाए

तेरे तीर के मारे हुए
देते है सदाए
कर दो जी घायल
तुम्हारा है ज़माना

कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना

आया शिकारी ओ
पीछे तू संभल जा
आया शिकारी ओ



Literacy for a Billion

पीछे तू संभल जा

ये जाल है जुल्फ़ो का
तू चूपके से निकल जा
ये जाल है जुल्फ़ो का
तू चूपके से निकल जा

उड़ जा ओ पंछी
शिकारी है दीवाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना
कही पे निगाहें
कही पे निशाना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.